FirstRanker.com
Firstranker's choice
www.FirstRanker.com www.FirstRanker.com

इस प्रश्न-पत्र में 30 प्रश्न [खण्ड 'क' (20) + खण्ड 'ख' (5) + खण्ड 'ग' (5)] तथा 8 मुद्रित पृष्ठ हैं।

Roll No.
अनुक्रमांक

Code No.
कोड नं० **56/HIS/2**

Set/सेट **A**

हिन्दी

(301)

Day and Date of Examination ....
(परीक्षा का दिन व दिनांक)

Signature of Invigilators 1. ....
(निरीक्षकों के हस्ताक्षर)
2. ....

सामान्य अनुदेश :

1. परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र के पहले पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें।
2. कृपया प्रश्न-पत्र को जाँच लें कि प्रश्न-पत्र के कुल पृष्ठों तथा प्रश्नों की उतनी ही संख्या है जितनी प्रथम पृष्ठ के सबसे ऊपर छपी है। इस बात की जाँच भी कर लें कि प्रश्न क्रमिक रूप में हैं।
3. उत्तर-पुस्तिका में पहचान-चिह्न बनाने अथवा निर्दिष्ट स्थानों के अतिरिक्त कहीं भी अनुक्रमांक लिखने पर परीक्षार्थी को अयोग्य ठहराया जाएगा।
4. अपनी उत्तर-पुस्तिका पर प्रश्न-पत्र की कोड संख्या 56/HIS/2, सेट A लिखें।

www.FirstRanker.com

www.FirstRanker.com

हिन्दी

(301)

समय : 3 घण्टे] [पूर्णांक : 100

निर्देश : (i) इस प्रश्न-पत्र में **तीन** खण्ड हैं—खण्ड 'क', खण्ड 'ख' और खण्ड 'ग'।

(ii) खण्ड 'क' के **सभी** प्रश्नों को हल करना है।

(iii) खण्ड 'ख' और खण्ड 'ग' में से **केवल एक खण्ड** के प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

(iv) खण्ड 'क' 85 अंकों का और खण्ड 'ख' **अथवा** खण्ड 'ग' 15 अंकों का है।

खण्ड–क

1. (क) निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 4

सपनेहुँ दोस कलेसु न काहू। मोर अभाग उदधि अवगाहू।
बिनु समुझें निज अघ परिपाकू। जारिउँ जायँ जननि कहि काकू॥
हृदयँ हेरि हारेउँ सब ओरा। एकहिं भाँति भलेहिं भल मोरा।
गुरु गोसाईं साहिब सियरामू। लागत मोहि नीक परिनामू॥

अथवा

कोई न छायादार
पेड़ वह जिसके तले बैठी हुई स्वीकार,
श्याम तन, भर बँधा यौवन,
नत नयन प्रिय, कर्म-रत मन,
गुरु हथौड़ा हाथ।
करती बार-बार प्रहार—
सामने तरु-मालिका अट्टालिका, प्राकार।

(ख) निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों का काव्य-सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए : 2

जब-जब वै सुधि कीजियै, तब-तब सब सुधि जाँहि।
आँखिन आँखि लगी रहैं, आँखें लागति नाँहि॥

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग *35–35* शब्दों में दीजिए : 2+2=4

(क) परिचय इतना, इतिहास यही... कथन से महादेवी का क्या तात्पर्य है? 'मैं नीर भरी दुख की बदरी' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'मुझे कदम-कदम पर' कविता में लेखक की किस परेशानी का उल्लेख किया गया है?

(ग) पद्माकर के 'फाग' वर्णन में गोपिका की किस विवशता और दयनीयता का उल्लेख किया गया है?

www.FirstRanker.com

FirstRanker.com
Firstranker's choice
www.FirstRanker.com www.FirstRanker.com

3. छायावादी काव्य **अथवा** प्रगतिवादी काव्य की **दो** विशेषताएँ लिखिए। 2

4. राजेन्द्र उपाध्याय की 'कठपुतली' **अथवा** 'निराला' की 'मौन' कविता का केन्द्रीय भाव लगभग *35* शब्दों में लिखिए। 2

5. (क) निम्नलिखित काव्य-पंक्तियाँ किस छंद में रची गई हैं? 1

रहिमन मोहिं न सुहाय, अमी पियावै मान बिनु।
बरु विष देय बुलाय, मान सहित मरिबो भलो॥

(ख) निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों में निहित रस का नाम लिखिए : 1

गवन समय पिय के कहति, यौं नैनन सौं तीय।
रोवन के दिन बहुत हैं, निरखि लेहु खिन पीय॥

6. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 4

ये जो ठिगने-से, लेकिन शानदार दरख्त गर्मी की भयंकर मार खा-खाकर और भूख-प्यास की निरंतर चोट सह-सहकर भी जी रहे हैं, इन्हें क्या कहूँ? सिर्फ जी ही नहीं रहे, हँस भी रहे हैं। बेहया हैं क्या? या मस्तमौला हैं? कभी-कभी जो लोग ऊपर से बेहया दिखते हैं, उनकी जड़ें काफी गहरे पैठी रहती हैं। ये भी पाषाण की छाती फाड़कर न जाने किस अतल गह्वर से अपना भोग्य खींच लाते हैं।

अथवा

धर्म, नीति और शिष्टाचार तीनों में क्रोध के निरोध का उपदेश पाया जाता है। संत लोग तो खलों के वचन सहते ही हैं, दुनियादार लोग भी न जाने कितनी ऊँची-नीची पचाते रहते हैं। सभ्यता के व्यवहार में भी क्रोध नहीं तो क्रोध के चिह्न दबाए जाते हैं। इस प्रकार का प्रतिबंध समाज की सुख-शांति के लिए बहुत आवश्यक है।

www.FirstRanker.com

7. पठित पाठ के आधार पर हरिशंकर 'परसाई' **अथवा** कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' की भाषा-शैली की **दो** विशेषताएँ लिखिए। 2

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग *50–50* शब्दों में दीजिए : 3+3=6

(क) 'पीढ़ियाँ और गिट्टियाँ' के आधार पर पुरानी पीढ़ी और नई पीढ़ी की सोच को जानकर बताइए, कि क्या दोनों पीढ़ियों में समझौता हो सकता है? तर्कयुक्त उत्तर दीजिए।

(ख) "डॉ० रघुवंश का चरित्र प्रेरणादायक है।" इस पर टिप्पणी कीजिए।

(ग) 'एक था पेड़ और एक था ठूँठ!' पाठ के माध्यम से लेखक ने पाठकों को क्या संदेश दिया है?

www.FirstRanker.com

9. (क) 'विराटा की पद्मिनी' उपन्यास के लेखक ने पात्रों के कार्यों, व्यवहार व व्यक्तित्व के माध्यम से पाठकों को क्या संदेश देना चाहा है? इस पर अपने विचार अभिव्यक्त कीजिए। 3

अथवा

'विराटा की पद्मिनी' उपन्यास की भाषा की **तीन** विशेषताएँ सोदाहरण बताइए।

(ख) दाँगी कन्या कुमुद को विराटा की पद्मिनी क्यों कहा गया? उसकी किन्हीं **दो** चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 3

10. (क) कुंजर सिंह को अलीमर्दान की सहायता क्यों अच्छी नहीं लगी? 1

(ख) गोमती ने दुर्गा माँ से क्या वरदान माँगा? 1

11. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

फूल से बोली कली "क्यों व्यस्त मुरझाने में है,
फायदा क्या गंध और मकरंद बिखराने में है।
तूने अपनी उम्र क्यों वातावरण में घोल दी
मकरंद की मोहक पंखुड़ियाँ क्यों खोल दीं।
तू स्वयं को बाँटता है जिस घड़ी से है खिला;
किंतु इस उपकार के बदले में तुझको क्या मिला?
मुझे देखो मेरी सब खुशबू मुझमें बंद है,
मेरी सुंदरता है अक्षय, अनछुआ मकरंद है।"
फूल उस नादान की वाचालता पर चुप रहा,
फिर स्वयं को देखकर भोली कली से ये कहा—
"जिंदगी सिद्धांत की सीमाओं में बहती नहीं,
ये वो पूँजी है जो व्यय से बढ़ती है घटती नहीं।
चार दिन की जिन्दगी खुद को जिए तो क्या जिए?
बात तो तब है कि जब मर जाएँ औरों के लिए,
प्यार के व्यापार का क्रम अन्यथा होता नहीं,
वह कभी पाता नहीं है जो कभी खोता नहीं।"

(क) कली की दृष्टि में फूल क्या काम व्यर्थ में कर रहा है? 1

(ख) "तू स्वयं को बाँटता है"—कथन का आशय स्पष्ट कीजिए। 1

(ग) फूल ने कली को 'नादान' क्यों कहा? 1

(घ) "चार दिन की जिन्दगी खुद को जिए तो क्या जिए" कथन का भाव स्पष्ट कीजिए। 1

(ङ) इस कविता के माध्यम से कवि ने हमें क्या संदेश दिया है? 1

www.FirstRanker.com

FirstRanker.com
Firstranker's choice
www.FirstRanker.com www.FirstRanker.com

12. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

प्रकृति की दृष्टि में सभी प्राणी, जीवधारी एक समान हैं, किन्तु मनुष्य विशेषकर अपनी अहंता-ममता-मूलक वृत्तियों के कारण स्वयं को सर्वश्रेष्ठ समझता है; अपने सुख की, उन्नति की चाह में दूसरों को तुच्छ और हेय जानकर कष्ट व दुख देता है, उसका अहित करता है—ऐसा कर्म 'हिंसा' कहलाता है। हिंसा की जड़ मनुष्य की अपनी कामना-पूर्ति के बाधक तत्त्वों में निहित है। जिन्होंने हमारी कामना-पूर्ति में बाधा डाली, उन्हें हम दुख पहुँचाकर, पीड़ा देकर दंडित करते हैं। यह दंड देने की प्रवृति ही क्रूरता को जन्म देती है और तब मनुष्य परपीड़क बना जहाँ दूसरों का सुख-चैन छीनता है वहाँ वह स्वयं भी सुख व शांति से बहुत दूर अन्याय, अत्याचार—हिंसक वृत्तियों का दास बना जीवन व्यतीत करता है। अतः मनुष्य को हिंसा छोड़ अहिंसा का, स्वार्थपरता छोड़ परोपकार का, अपनी कामनाओं की पूर्ति छोड़ दूसरों को सुखी बनाने की भावनाओं का पल्ला पकड़ना चाहिए।

अहिंसा—दया, क्षमा, करुणा आदि गुणों का समुच्चय है। अहिंसा से तात्पर्य है किसी भी प्राणी को मन, वचन और कर्म से दुख न पहुँचाना। क्रोध में किसी को मारना—कर्म, गाली-गलौज करना, अपशब्द कहना—वचन और मन में उसके प्रति दुर्भावना पालना—मन की हिंसा है।

महाभारत धार्मिक ग्रंथ में अहिंसा को ही परम धर्म कहा गया है। यही नहीं महाभारत से भी पूर्व में वेदों में भी 'माँ हिंसीस्तन्वा प्रजाः' (यजुर्वेद-३०) अर्थात् अपनी देह से किसी भी प्राणी को कष्ट मत दो।

देवर्षि नारद ने भगवान के लिए गुण-पुण्यों की चर्चा करते हुए अहिंसा धर्म को सर्वोत्तम स्थान दिया है—उन्होंने अहिंसा को प्रथम पुण्य, इंद्रिय-निग्रह को दूसरा, जीव-दया को तीसरा और क्षमा को चौथा पुण्य कहा है।

संसार के बड़े-बड़े धर्मों ने भी अहिंसा को परम व आदर्श धर्म के रूप में देखा है। बौद्धों का एक ग्रंथ 'सुत्तनिपात' में एक स्थान पर कहा गया है—जैसा मैं हूँ, वैसे वे हैं, जैसे वे हैं, वैसा मैं हूँ।

जैन साधु तो हिंसा के भाव तक का मन में आना पाप समझते हैं। अहिंसा मानों पूर्ण निर्दोषता ही है अर्थात् अहिंसा प्राणिमात्र के प्रति सहज प्रेम है।

ईसाई धर्म में भी अहिंसा के क्षमा-गुण का विशेष अनुमोदन किया गया है।

निस्संदेह, यथार्थ में अहिंसा धर्म मानव जीवन का सबसे बड़ा पुरुषार्थ है और इसे सर्वोत्तम कर्तव्य मानकर मन, वचन और कर्म से अपनाना चाहिए।

(क) प्रकृति के यहाँ सभी प्राणी, जीवधारी एक समान हैं—तब भी मनुष्य स्वयं को श्रेष्ठ और अन्य को तुच्छ क्यों समझता है? 2

(ख) हिंसा की जड़ कामना-पूर्ति में क्यों कही गई है? 2

(ग) अहिंसा किन-किन गुणों का समुच्चय कहा गया है? स्पष्ट कीजिए। 1

(घ) महात्मा बुद्ध के कथन, "जैसा मैं हूँ, वैसे वे हैं, जैसे वे हैं, वैसा मैं हूँ" का आशय स्पष्ट कीजिए। 1

www.FirstRanker.com

FirstRanker.com
Firstranker's choice
www.FirstRanker.com www.FirstRanker.com

(ङ) ईसाई धर्म अहिंसा के किस गुण को सर्वोत्तम मानता है? 1

(च) जैन धर्म में अहिंसा का अर्थ पूर्ण निर्दोषता है—इसका आशय समझाइए। 1

(छ) प्रस्तुत गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए। 1

(ज) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **दो** में एक उपसर्ग, एक प्रत्यय अलग करके शब्द के सामने लिखिए : ½+½=1

क्रूरता ; प्रकृति ; अत्याचार ; दंडित।

(झ) विपरीतार्थक शब्द लिखिए : ½+½=1

उन्नति ; श्रेष्ठ।

13. कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : 1×5=5

(क) मैं तुम्हारे से झूठ क्यों बोलूँगा? (वाक्य शुद्ध कीजिए)

(ख) मानसिक तनाव के कारण मैं रातभर सो नहीं सका। (भाववाच्य में बदलिए)

(ग) वह सब्जीमण्डी गया। वहाँ जाकर थैला भरकर विभिन्न प्रकार की मनपसंद सब्जियाँ लाया। (सरल वाक्य में बदलिए)

(घ) सम्भवतः आज वर्षा हो। (अर्थ के आधार पर वाक्य-भेद लिखिए)

(ङ) मैं प्रतिदिन रामचरितमानस का पाठ करके ड्यूटी पर जाता हूँ (उपयुक्त विराम चिह्न लगाइए)

14. निम्नलिखित अवतरण का सार लगभग **एक-तिहाई** शब्दों में लिखिए और एक शीर्षक भी दीजिए : 3+1=4

परिश्रम सफलता की कुंजी है। परिश्रम अर्थात् पुरुषार्थ। कहा भी है कि उद्योगी पुरुष सिंह को लक्ष्मी वरण करती है। भाग्य के सहारे बैठे रहने वाले निरुद्यमी के पास तो वह कभी झाँकती भी नहीं। दैव! दैव!! आलसी पुकारा।

प्रकृति को ही देखिए। उसके सारे जड़-चेतन अपने-अपने कार्य में लगे रहते हैं चींटी पलभर को भी नहीं ठहरती; मधुमक्खी बार-बार यात्रा कर मधु की एक-एक बूँद जुटाती है—पशु-पक्षी सभी अपना चारा जुटाने के कार्य में पृथ्वी, आकाश में सैकड़ों चक्कर लगाते हैं, अथक परिश्रम करते हैं।

आज जो बड़े-बड़े लोग—इंजीनियर, डॉक्टर, उच्च शिक्षक, वैज्ञानिक, उद्योगपति दिखाई दे रहे हैं, ये सभी परिश्रम से ही बने हैं। भारतीय कृषक को ही लीजिए—वर्षा-आतप की मार सहकर भी अन्न उपजाने में लगा रहता है—किस-किस के उदाहरण दें। सारांश यह है कि किसी भी देश की प्रगति व उन्नति वहाँ के लोगों के परिश्रम पर निर्भर है।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आज जिन देशों का झण्डा फहराया जा रहा है—उनके निवासियों के पुरुषार्थ के बल पर ही निर्भर है।

15. प्रारूपण से क्या तात्पर्य है? प्रारूपण की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 3

www.FirstRanker.com

16. निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** का भाव-पल्लवन कीजिए : 3

(क) कौवा चला हंस की चाल, अपनी चाल भी भूल गया

(ख) मन चंगा तो कठौती में गंगा

17. दूरदर्शन पर दिखाए जाने वाले अश्लील विज्ञापनों और उसके प्रभावों की समस्या पर किसी दैनिक समाचार-पत्र के सम्पादक को पत्र लिखिए। 4

18. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर लगभग *300* शब्दों में निबन्ध लिखिए : 8

(क) स्वच्छता अभियान में युवा वर्ग का योगदान

(ख) नारी-सुरक्षा

(ग) फैशन : परिवर्तन का दूसरा नाम

(घ) बाल-मजदूरी : एक भयावह समस्या

www.FirstRanker.com

19. निम्नलिखित ज्ञान को आरेख द्वारा प्रदर्शित कीजिए : 4

हिन्दी साहित्य का काल-विभाजन

—चार प्रकार का—*(i)* वीरगाथा काल, *(ii)* भक्तिकाल, *(iii)* रीतिकाल तथा *(iv)* आधुनिक काल

—भक्तिकाल के काव्य की दो धाराएँ—*(i)* निर्गुण भक्ति काव्यधारा तथा *(ii)* सगुण भक्ति काव्यधारा

—निर्गुण काव्यधारा की दो शाखाएँ—*(i)* ज्ञानाश्रयी और *(ii)* प्रेममार्गी (सूफी काव्यधारा)

—सगुण भक्ति काव्य की दो प्रमुख धाराएँ—*(i)* रामभक्ति काव्य तथा *(ii)* कृष्णभक्ति शाखा

20. बीती रात निद्रा में मेरी भेंट भारत के वर्तमान शिक्षा मंत्री से हुई—शिक्षा-क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं पर मैंने अनेक प्रश्न किए कि अचानक मेरी नींद टूट गई। उस समय की अनुभूतियों को लगभग *35* शब्दों में आप लेखनीबद्ध कीजिए। 2

FirstRanker.com
Firstranker's choice
www.FirstRanker.com www.FirstRanker.com

खण्ड–ख

(सूचना प्रौद्योगिकी और हिन्दी)

21. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **दो** के अर्थ लिखिए : ½+½=1

(क) स्तम्भ लेखक

(ख) ध्वजशीर्ष (हैडलाइन)

(ग) पूरक

22. (क) चौथा खंभा किसे कहते हैं? इस पर प्रकाश डालिए। 2

(ख) फीचर किसे कहते हैं तथा इसे कैसे प्रस्तुत किया जाता है? 2

23. (क) सूचना प्रौद्योगिकी के किन्हीं **दो** कारणों का उल्लेख कीजिए। 2

(ख) समाचार प्राप्त करने के मुख्य स्रोतों पर संक्षेप में प्रकाश डालिए। 2

24. आपके नगर के सभी अस्पतालों के डॉक्टर हड़ताल पर हैं, इसकी सूचना संक्षिप्त रूप में दैनिक समाचार के सम्पादक को दीजिए। 3

25. कल्पना कीजिए कि आपने एक प्राइमरी स्कूल खोला है। उसके लिए पाँच महिला अध्यापिकाएँ चाहिए। इसके लिए लगभग 25 शब्दों का एक विज्ञापन किसी दैनिक समाचार-पत्र के लिए तैयार कीजिए। 3

खण्ड–ग

(विज्ञान की भाषा—हिन्दी)

21. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **दो** के अर्थ स्पष्ट कीजिए : ½+½=1

(क) आसंजक

(ख) गुणसूत्र

(ग) आस्की

22. (क) वैज्ञानिक दृष्टि किसे कहते हैं? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 2

(ख) चिकित्सा के क्षेत्र में प्राचीन भारत की उपलब्धियों पर प्रकाश डालिए। 2

23. बढ़ती जनसंख्या की पारितंत्रीय समस्याओं का उल्लेख कीजिए। 4

24. विज्ञान की भाषा की **तीन** मुख्य विशेषताएँ लिखिए। 3

25. कम्प्यूटर पर काम करना सरल है—कैसे? सविस्तार लिखिए। 3

★ ★ ★

www.FirstRanker.com